ज्ञानदीप

अंक 104

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26130579, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 27 अप्रैल –जून 2024

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 160वीं बैठक
3. माउंटेनियरिंग फॉर हैपिनेस पर चर्चा सत्र
4. प्राकृतिक चिकित्सा एवं तनाव प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान
5. वृक्षारोपण – विश्व पर्यावरण दिवस
6. विश्व योग दिवस का आयोजन
7. कविता
8. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
9. स्वागत एवं विदाई
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

1. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 23 एवं 24 मई, 2024 को प्रधान मुख्य इंजीनियरों के सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता श्री ए. के. खंडेलवाल, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर / रेलवे बोर्ड द्वारा की गई।

अध्यक्षीय भाषण में श्री अनिल कुमार खंडेलवाल, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर ने रेलपथ से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित किया जैसे क्षेत्रीय रेलों को सौंपी गई सामग्रियों का परीक्षण शीघ्र पूरा करना, यूएसएफडी परीक्षण, एलडब्ल्यूआर, एसईजे को मेनलाइन से हटाना, सेक्शन में कैंटेड टर्नआउट का उपयोग किया जाना, मॉडर्न फास्टनिंग का उपयोग, स्लीपर पॉइंट मशीनों का उपयोग किया जाना, एएफटीसी का उपयोग, टर्नआउट मापन कार का उपयोग, जैसे विभिन्न कार्यों और रेलपथ की संरक्षा के बारे में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

श्री एस. के. झा महानिदेशक, इरिसेन ने सभी का स्वागत किया और कहा कि वर्ष 2024 में एजेंडा आइटमों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक है, जो उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि एनएबीईटी द्वारा इरिसेन को (उत्कृष्ट) ग्रेड प्राप्त हुई है। ग्रेडिंग में अधिक सुधार करने का विचार है और सभी रेलों से लंबी अवधि के पाठ्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिपुष्टियां भेजने की अपेक्षा है। उन्होंने अनुरोध किया कि एलडीसीई के माध्यम से पदोन्नत हुए समूह 'ख' के अधिकारियों को उनके पदोन्नति के तुरंत बाद प्रशिक्षण के लिए भेजा जाए।

रेलवे बोर्ड से श्री बी. के. गुप्ता, अपर सदस्य/ सिविल इंजीनियरिंग, श्री दिनेश कुमार, अपर सदस्य / भूमि एवं अधिग्रहण, श्री सी.पी.गुप्ता, अपर सदस्य / कार्य, आरडीएसओ से श्री एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्य निदेशक / इंफ्रा. एवं अन्य अधिकारीगण, क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य इंजीनियर तथा इरिसेन अधिकारियों ने सेमिनार में हिस्सा लिया। श्री सी. एम. गुप्ता, संकाय अध्यक्ष ने सेमिनार का संचालन किया।

सेमिनार में रेलों से जुडे विभिन्न महत्वपूर्ण 'विविध मदों' एवं 'प्रशिक्षण' आदि विषयों पर चर्चा की गई। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए ।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 160वीं बैठक

संस्थान में दिनांक 16 अप्रैल, 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 160वीं बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के अध्यक्ष श्री एस. के. झा, महानिदेशक ने संस्थान पर हिंदी की हो रही प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबोधन में कहा कि हिंदी अत्यंत सरल, सुगम भाषा है, वर्तमान युग हिंदी को आत्मसात करने का है, हिंदी अनुवाद की भाषा नहीं संवाद की भाषा है। आपने कहा कि संस्थान के तकनीकी विषयों के हिंदी प्रकाशन काफी लोकप्रिय हुए हैं, हिंदी प्रकाशन

संरक्षक
सुनील कुमार झा
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल – 1

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

कार्य निरंतर जारी रहने चाहिए। उन्होंने दिनांक 22 मार्च, 2024 को संस्थान पर आयोजित हिंदी कवि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों को बधाइयां दी।

श्री शरद कुमार अग्रवाल उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1 ने बैठक के सभी सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि गत तिमाही में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, इस तरह के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि हिंदी में कार्य करने के लिए ऊर्जा मिलेगी और कर्मचारियों का उत्साह बढ़ेगा।

3. माउंटेनियरिंग फॉर हैपिनेस पर चर्चा सत्र

दिनांक 18.04.2024 को श्री एस. के. झा महानिदेशक की अध्यक्षता में गार्डियन गिरीप्रेमी इन्स्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग, पुणे के अनुभवी पर्वतारोहियों द्वारा माउंटेनियरिंग फॉर हैपिनेस पर्वतारोहण विषय पर चर्चासत्र का आयोजन किया गया।

अपने भाषण में महानिदेशक ने कहा कि आजकल के गतिशील और तनावपूर्ण जीवन में हमें साहस, आनंद और शांति के अनुभव के लिए पर्वतारोहण और प्राकृतिक पर्यटन अति आवश्यक है और इसे हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना होगा।

श्री भूषण हर्षे (माउंट एवरेस्ट, माउंट अन्नपूर्णा, माउंट कंचनजंघा पर्वतारोही) और श्री विवेक शिवाडे (माउंट कंचनजंघा, माउंट मेरू, माउंट अमा डबलाम पर्वतारोही) ने उनकी देश-विदेशों के पर्वतारोहण अभियानों के अनुभवों को साझा किया और पर्वतारोहण के लिए उनकी संस्था से जुड़ने का आग्रह किया। इस चर्चा सत्र में संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने भारी संख्या में उपस्थित दर्शायी और उनके पर्वतारोहण से संबंधित विभिन्न प्रश्नों पर चर्चा की।

4. प्राकृतिक चिकित्सा एवं तनाव प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान

इरिसेन और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (NIN) पुणे ने इरिसेन के प्रशिक्षुओं को प्राकृतिक चिकित्सा और योग के लाभों से अवगत कराने के लिए एक साथ काम किया। स्वास्थ्य जागरूकता निर्माण करने और प्राकृतिक तरीके से जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, दि. 04.06.2024 को एसएसटीडब्ल्यू में प्राकृतिक चिकित्सा और योग का उपयोग करके तनाव प्रबंधन पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

एसएसटीडब्ल्यू के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 100 वरिष्ठ पर्यवेक्षकों ने इस सत्र में हिस्सा लिया। व्याख्यान के दौरान विभिन्न अभ्यास भी कराए गए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, आयुष मंत्रालय, पुणे के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. स्वामीनाथ ने किया। स्वास्थ्य से संबंधित भ्रांतियों और जानकारियों के व्याख्यान की सभी ने प्रशंसा की।

5. वृक्षारोपण – विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण पृथ्वी का एक अभिन्न अंग है, प्राचीन काल में मानव अपने चारों ओर के वातावरण को काफी स्वच्छ और सहेज कर रखता था, वह अपना ज्यादातर समय वातावरण को स्वच्छ रखने में ही देता था।

प्राचीन काल में मानव पर्यावरण के महत्व को काफी अच्छी तरह से समझता था वह जानता था कि यदि पर्यावरण स्वच्छ है तो हम भी स्वच्छ रह सकेंगे। इसी श्रृखंला में दिनांक 5 जून, 2024 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर एसएसटीडब्ल्यू के प्रांगण में 'हरित अभियान' के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री एस के गर्ग, अपर महानिदेशक, एसएसटीडब्ल्यू, श्री बी. के. कुशवाहा, संकाय अध्यक्ष एसएसटीडब्ल्यू, संकाय सदस्य और एसएसटीडब्ल्यू के कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त वृक्षों का रोपण किया गया।

6. विश्व योग दिवस का आयोजन

योग शारीरिक व्यायाम, शारीरिक मुद्रा (आसन), ध्यान, सांस लेने की तकनीकों और व्यायाम को जोड़ता है। इस शब्द का अर्थ ही 'योग' या भौतिक का स्वयं के भीतर आध्यात्मिक के साथ मिलन है। यह सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना के मिलन का भी प्रतीक है, जो मन और शरीर मानव, और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य का संकेत देता है।

दिनांक 21 जून, 2024 को इरिसेन एवं एसएसटीडब्ल्यू में विश्व योग दिवस आयोजन किया गया। इस योग सत्र में संस्थान के महानिदेशक, संकाय सदस्य एवं उनके पारिवारिक सदस्य, कर्मचारी गण और प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन योग संस्थान सर्वे समत्वम्द्वारा किया गया।

योग प्रशिक्षक सुश्री वैशाली काले द्वारा विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान आदि की तकनीकें सीखायी और उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में समझाया। साथ ही एसएसटीडब्ल्यू के प्रांगण में अपर महानिदेशक महोदय ने एवं अन्य अधिकारियों ने विश्व योग दिवस के इस पावन अवसर का लाभ उठाया। इस अवसर पर अधिकारी गण, प्रशिक्षु अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

7. कविता – भारतीय रेल हमारा गौरव

भारत की रेल दिलों की धड़कन, तीस साल की सेवा एक सपना बन।
भाप के इंजन से बिजली की गति तक, हर सुबह एक नई कहानी एक नई दृष्टि तक।

पुराने प्लेटफार्म से चमचमाती चमक, हर कदम पर विकास नित नूतन झलक।
वंदे भारत की उड़ान भविष्य की उड़ान, टेक्नोलॉजी से सजी समय की पहचान।

डिजिटल स्टेशन नई चमक, हर यात्रा में नया उत्साह नया रुख।
माल ढुलाई के नए रास्ते बने, हर कोने से कोने तक रिश्ते जुड़ते बने।

इन तीस सालों में देखा सब कुछ, भीड़भाड़ भरे स्टेशन से रात की शांति तक।
हर सफर की अपनी एक छाप, रेल की पटरियों पर बिछी हमारी आश।

साथियों के संग एकता की राह, धूप, बारिश, ठंड में भी न रुके कदम।
हंसी, गम सपने साझा किए, इस विशाल परिवार में एकजुट हम।

हर सिग्नल हर पटरियों का नाम, हमारी मेहनत का बना एक मुकाम।
देश की नसों में दौड़ती रेल, हमारी मेहनत का है ये खेल।

गति की नई उम्मीद बुलेट ट्रेन का जादू, राष्ट्र के सपनों का बना नया पुल।
पर यादें वही पुरानी मिठास से भरी, पुराने नए सबको साथ लिए चली।
धूल भरे यार्ड से चमचमाती रेल तक, दिल में वही जोश, वही प्रेम।
भारतीय रेल मेरी साथी सदा,साथ–साथ चलते रहेंगे यूं ही सदा।

सत्र सं. 24102 समेकित पाठ्यक्रम,
श्री गौतम घोष, स.मं.इंजी./निर्माण III/हावड़ा
के पुत्र श्री कौशिक घोष द्वारा रचित

8. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम वर्ष –2024

1	24103	समेकित	05 अगस्त से 25 अक्तूबर
2	24422	अवपथन जांच	02 अगस्त से 09 अगस्त
3	24423	टनेलिंग	02 अगस्त से 16 अगस्त
4	24615	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	05 अगस्त से 23 अगस्त
5	24904	एमआरवीसी ग्रुप ख के वरिष्ठ परियोजना इंजीनियरों / परियोजना इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	02 अगस्त से 17 अगस्त
6	24227	वेबिनार : कर्व पर गति बढ़ाकर 160/200 किमी/घंटा करना	16 अगस्त से 16 अगस्त
7	24308	स्टेशन विकास पर कार्यशाला	20 अगस्त से 21 अगस्त
8	24453	मिडास	20 अगस्त से 24 अगस्त
9	24426	यूएसएफडी और रेल ग्राइंडिंग	26 अगस्त से 30 अगस्त
10	24905	एमआरवीसी ग्रुप II के वरिष्ठ परियोजना इंजीनियरों / परियोजना इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	26 अगस्त से 06 सितंबर
11	24426	यूएसएफडी एवं रेल ग्राइंडिंग	26 अगस्त से 30 अगस्त
12	24828	रेलवे निर्माण परियोजना पर्यवेक्षण (सिविल) की बुनियाद में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	26 अगस्त से 30 अगस्त
13	24228	वेबिनार : बी–स्कैन यूएसएफडी	29 अगस्त
14	24511	विवाद का समाधान एवं विवाचन पर एमपी मेट्रो के लिए विशेष पाठ्यक्रम	02 सितंबर से 06 सितंबर
15	24616	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	02 सितंबर से 20 सितंबर
16	24202	वरिष्ठ व्यावसायिक पुल	09 सितंबर से 04 अक्तूबर
17	24427	स्टील गर्डरों का फैब्रिकेशन और निरीक्षण	09 सितंबर से 13 सितंबर
18	24428	गति शक्ति यूनिट के लिए विशेष पाठ्यक्रम	09 सितंबर से 13 सितंबर
19	24518	एनटीपीसी इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	09 सितंबर से 14 सितंबर
20	24829	टनेलिंग	09 सितंबर से 13 सितंबर

21	24229	वेबिनार : एलडब्ल्यूआर में रेल वेल्ड विफलताएं नियंत्रित करना और मरम्मत के दौरान सावधानियां	12 सितंबर
22	24424	एलडब्ल्यूआर और यार्ड लेआउट	16 सितंबर से 20 सितंबर
23	24429	पुल योजना और निर्माण	16 सितंबर से 20 सितंबर
24	24430	कंक्रीट प्रौद्योगिकी और टिकाउपन	23 सितंबर से 27 सितंबर
25	24517	श्रीलंका रेल अधिकारियों के लिए एलडब्ल्यूआर और यंत्रीकृत अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	23 सितंबर से 05 अक्तूबर
26	24830	आधुनिक सर्वेक्षण और भूमि प्रबंधन	23 सितंबर से 27 सितंबर
27	24230	वेबिनार : रेलपथ सहिष्णुता, रेलपथ निगरानी और अनुरक्षण	27 सितंबर
28	24431	पुल निरीक्षण और अनुरक्षण	30 सितंबर से 04 अक्तूबर
29	24617	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूएसएफडी)	30 सितंबर से 05 अक्तूबर

9. स्वागत एवं विदाई

1994 बैच के भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी **श्री विश्वास कुमार** ने दिनांक 30.04.2024 से संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक पुल–II का पदभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मुख्य योजना एवं डिजाइन इंजीनियर, दक्षिण मध्य रेल के पद पर कार्यरत थे। आपने एमएनएनआईटी, प्रयागराज से बीई (सिविल इंजीनियरिंग) की डिग्री प्राप्त की है और एम डीआई, गुरूग्राम से 'व्यावसायिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर पदविका' प्राप्त की। आपने रेल सेवा की शुरूआत सहा. मंडल इंजीनियर दक्षिण मध्य रेल/कड़पा से की। पश्चात रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने अपर मंडल रेल प्रबंधक हुब्बल्ली मंडल, महाप्रबंधक (समन्वय) डीएफसीसीआईएल, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी उत्तर पश्चिम रेल, उप मुख्य इंजीनियर उत्तर पश्चिम रेल इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री सी, एम. गुप्ता,** संकाय अध्यक्ष का दक्षिण पश्चिम रेल, हुब्बल्ली में प्रधान मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति पर स्थानांतरण हुआ है। आप दिनांक 28.06.2024 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री महेंद्र साहेबराव पाटील, सीनियर सेक्शन इंजीनियर / पी. ने दिनांक 01.06.2024 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक / रेलपथ –1 पदभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप प्रधान मुख्य इंजीनियर कार्यालय, मध्य रेल में उप मुख्य इंजीनियर (रेलपथ–II) के अधीन कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री मुकेश चंद कुम्हार,** छात्रावास अधीक्षक – II का स्वेच्छा स्थानांतरण के परिणामस्वरूप दिनांक 21.06.2024 को उन्हें उनके मूल तैनाती डीजल लोको शेड़, घोरपड़ी, पुणे के लिए भारमुक्त किया गया। इरिसेन परिवार की ओर से शुभकामनाएं।

संस्थान में कार्यरत **श्री विलास तावडे,** वरिष्ठ खलासी की सेवानिवृत्ति दिनांक 29.02.2024 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री अरूण आर. ढमाले,** खलासी (प्रयोगशाला) की सेवानिवृत्ति दिनांक 31.05.2024 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री सतीश पेशकार,** सीनियर सेक्शन इंजीनियर, प्रयोगशाला की सेवानिवृत्ति दिनांक 30.06.2024 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

10.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या 24101

प्रथम

अमोद कुमार सिन्हा,
स.मं.इंजी.(सा.) / चर्चगेट, प. रे.

द्वितीय

दिलीप कुमार,
स.मं.इंजी. पुल II / चर्चगेट, प. रे.

तृतीय

अजित कुमार सामल,
स.मं.इंजी. ट्रै.म. संबलपूर/पू.त.रे.

आगे बढ़ो, रास्ते में मिलने वाले फूलों को चुनने में समय मत गवाओ, क्योंकि जो आगे बढ़ते हैं, फूल उनका स्वागत करते ही हैं।
–रवीन्द्रनाथ टैगोर

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।